**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 253**

**04 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**वस्त्र निर्यात**

**253. श्री सी.एन. अन्नादुरई:**
**श्री नवसकनी के.:**
**श्री जी. सेल्वम:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान कपास, सिंथेटिक फाइबर और सिले-सिलाए वस्त्रों जैसी प्रमुख श्रेणियों सहित भारत के वस्त्र निर्यात प्रदर्शन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने आगामी तीन वर्षों में भारतीय वस्त्र उत्पादों के निर्यात के लिए कोई नीति/रणनीति तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान देश से समग्र वस्त्र निर्यात में तमिलनाडु राज्य का योगदान क्या है;

(घ) क्या तमिलनाडु में कई वस्त्र उद्योग और कारखाने हैं;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार का निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ वित्तीय प्रोत्साहन देकर इन वस्त्र उद्योगों की मदद करने का विचार या कोई प्रस्ताव है; और

(च) सरकार द्वारा भारतीय वस्त्र उद्योग के उत्पादन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**
**वस्त्र राज्य मंत्री**
**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क):** पिछले पांच वर्षों के दौरान सूती, सिंथेटिक फाइबर और रेडिमेड गारमेंट जैसी प्रमुख श्रेणियों सहित भारत के वस्त्र निर्यात निष्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**

| वस्तु | वित्तीय वर्ष 2019-2020 | वित्तीय वर्ष 2020-2021 | वित्तीय वर्ष 2021-2022 | वित्तीय वर्ष 2022-2023 | वित्तीय वर्ष 2023-2024 | अप्रैल-नवंबर 2024 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| रेडीमेड गारमेंट | 15,488 | 12,272 | 16,015 | 16,191 | 14,532 | 9,854 |
| सूती वस्त्र | 10,263 | 11,128 | 17,166 | 11,085 | 12,258 | 7,978 |
| मानव निर्मित वस्त्र | 5,324 | 4,180 | 6,294 | 5,412 | 5,081 | 3,481 |
| ऊन एवं ऊनी वस्त्र | 181 | 109 | 166 | 205 | 192 | 107 |
| रेशम उत्पाद | 72 | 76 | 109 | 95 | 119 | 114 |
| हथकरघा उत्पाद | 319 | 223 | 269 | 183 | 140 | 95 |
| कालीन | 1,373 | 1,491 | 1,790 | 1,366 | 1,395 | 1,015 |
| जूट उत्पाद | 357 | 397 | 537 | 462 | 353 | 256 |
| **कुल वस्त्र एवं अपैरल** | **33,379** | **29,877** | **42,347** | **34,997** | **34,072** | **22,900** |
| हस्तशिल्प | 1,798 | 1,708 | 2,088 | 1,689 | 1,802 | 1,165 |
| **हस्तशिल्प सहित कुल टीएंडए** | **35,177** | **31,585** | **44,435** | **36,686** | **35,874** | **24,064** |

**स्रोत: डीजीसीआईएस, अनंतिम डेटा (पूर्णांकित)**

**(ख):** सरकार भारतीय वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने और इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं/पहल लागू कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय वस्त्र अवसंरचना बनाने के लिए पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार एवं विकास, संवर्धन और बाजार विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा क्षेत्र के विकास हेतु शुरू से अंत तक सहायता देने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम। वस्त्र मंत्रालय हस्तशिल्प के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम तथा समेकित हस्तशिल्प समूह विकास योजना भी कार्यान्वित कर रहा है। वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं और नीति ढांचे को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार ने मानव निर्मित फाइबर और कपास के लिए वस्त्र सलाहकार समूह (टीएजी) का गठन किया है।

मंत्रालय ने फरवरी, 2024 में वैश्विक मेगा टेक्सटाइल इवेंट यानी भारत टेक्स 2024 के आयोजन में निर्यात संवर्धन परिषदों/संघों को समर्थन दिया था और भारतीय वस्त्र मूल्य श्रृंखला की ताकत को प्रदर्शित करने, वस्त्र और फैशन उद्योग में नवीनतम प्रगति/नवाचारों पर प्रकाश डालने और भारत को वस्त्र क्षेत्र में सोर्सिंग और निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए फरवरी, 2025 में निर्धारित ऐसे ही आयोजन अर्थात भारत टेक्स 2025 का भी समर्थन कर रहा है।

**(ग) एवं (घ):** पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु के वस्त्र एवं अपैरल (हस्तशिल्प सहित) निर्यात का ब्यौरा निम्नानुसार है:

**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**

| | **वित्तीय वर्ष: 2021-22** | **वित्तीय वर्ष: 2022-23** | **वित्तीय वर्ष: 2023-24** | **अप्रैल-नवंबर 2024** |
|---|---|---|---|---|
| **तमिलनाडु निर्यात** | 8,714 | 8,009 | 7,172 | 5,243 |
| **भारत से विश्व को निर्यात** | 44,435 | 36,686 | 35,874 | 24,064 |
| **हिस्सा % में** | 19.6% | 21.8% | 20.0% | 21.8% |

**स्रोत: डीजीसीआईएस, अनंतिम डेटा (पूर्णांकित)**

तमिलनाडु राज्य में टेक्सटाइल कारखानों की संख्या निम्नानुसार है:-

| **क्र.सं.** | **टेक्सटाइल क्षेत्र** | **कारखानों की संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | वस्त्र की स्पिनिंग, वीविंग और फिनिशिंग | 4,635 |
| 2 | बुने हुए एवं क्रोशिए वाले अपैरल का निर्माण | 3,871 |
| 3 | अन्य वस्त्रों का निर्माण | 1,834 |
| 4 | फर अपैरल को छोड़कर, पहनने योग्य अपैरल का निर्माण | 1,093 |
| 5 | मानव निर्मित फाइबर का निर्माण | 58 |
| **6** | **कुल** | **11,491** |

स्रोत: उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण 2022-23 खंड I, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।

**(ङ) और (च)**: वस्त्र उद्योग के संबंध में सरकार की सुगमकारी भूमिका में कच्चे माल तक पहुंच को सक्षम करने, बाजारों तक प्रतिस्पर्धी पहुंच और उत्पादन को गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उत्पादन प्रक्रिया में सहायता करना आदि शामिल हैं।

(i) वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं में प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए ऋण प्रवाह हेतु प्रोत्साहन योजना भारत सरकार की प्रमुख योजना रही है। 2016 से यह योजना एमएसएमई पर केंद्रित है और इसने तमिलनाडु की इकाइयों सहित 12,925 से अधिक इकाइयों को ऋण प्रवाह सक्षम किया है।

(ii) कौशल को मजबूत करने के लिए समर्थ योजना लागू की जा रही है जिसके तहत अब तक 3.46 लाख लाभार्थियों को कौशल विकास प्रदान किया गया है, जिनमें से 73,629 लाभार्थियों ने तमिलनाडु में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वस्त्र अनुसंधान संघों की भागीदारी के साथ अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करने के लिए अनुसंधान एवं विकास योजना लागू की गई।

(iii) राज्य सरकारों के साथ मिलकर पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल्स रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्कों की मेगा पहल के माध्यम से विनिर्माण क्षमताओं को एकीकृत करने के लिए बुनियादी ढांचे के तत्वों की परिकल्पना की जा रही है। इस योजना के तहत 7 पीएम मित्र पार्कों का चयन किया गया है, जिनमें तमिलनाडु का एक पार्क भी शामिल है।

(iv) उत्पादन सम्बद्ध योजना (पीएलआई) का उद्देश्य एमएमएफ फैब्रिक्स, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों की उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत नौ (09) भागीदार कंपनियों ने पीएलआई योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में अपनी इकाइयाँ स्थापित की हैं।

(v) कपास उत्पादक, कपास उपभोक्ता राष्ट्रों और व्यापार की संयुक्त राष्ट्र मान्यता प्राप्त इकाई, अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय कपास समुदाय के साथ घनिष्ठ जुड़ाव के अलावा भारतीय कपास की ब्रांडिंग के माध्यम से कपास के लिए अंतर्राष्ट्रीय संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।

(vi) भारत को मूल्य श्रृंखलाओं में वस्तुओं के लिए सोर्सिंग गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए, 2024 से भारत टेक्स 2024 की परिकल्पना की गई है जो हमारी ताकत को प्रदर्शित करने में सक्षम है। तमिलनाडु ने भारत टेक्स 2024 में प्रभावी तरीके से भाग लिया था और बड़े पैमाने पर भागीदारी के माध्यम से भारत टेक्स 2025 में सक्रिय रूप से शामिल हो रहा है।

****